P: ISSN No. 2231-0045 RNI No. UPBIL/2012/55438 VOL.-10, ISSUE-2 November -2021
E: ISSN No. 2349-9435 Periodic Research

ग्रामीण महिलाओं में गर्भपात सम्बंधी निर्णय क्षमता: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

Abortion Decision Capacity in Rural Women: A Sociological Study

Paper Submission: 15/11/2021, Date of Acceptance: 25/11/2021, Date of Publication: 24/11//2021

सुशीला
असिस्टेंट प्रोफेसर
समाजशास्त्र विभाग
कु. मायावती राजकीय महिला
स्ना. महाविद्यालय,
बादलपुर, गौतमबुद्धनगर,
उत्तर प्रदेश, भारत

आरती
शोध छात्रा,
समाजशास्त्र विभाग,
कु. मायावती राजकीय महिला
स्ना. महाविद्यालय,
बादलपुर, गौतमबुद्धनगर,
उत्तर प्रदेश, भारत

सारांश

भारत में गर्भपात एक प्रतिबन्दित प्रक्रिया है, जिसके कारण महिलाएं बिना किसी उचित चिकित्सीय परामर्श के गर्भपात के अन्य तरीके आजमाती हैं, जिससे उनके जीवन के प्रति जोखिम बढ जाते हैं। देश की राजधानी दिल्ली में गर्भपात के 10 मामलों मे से सिर्फ 01 के बारे में सूचना दी जाती है। वर्तमान में महिलाओं का एक अधिकांश हिस्सा गर्भपात के अपने अधिकारों के प्रति अजागरुकता अथवा अनभिज्ञता के कारण असुरक्षित गर्भपात का सहारा लेती है, जो एक गंभीर चिंतन का विषय है तथा असुरक्षित गर्भपात के कारण महिलायें असमय मृत्यु का ग्रास बन जाती हैं। गर्भनिरोधक एवं गर्भपात पर शिक्षा व जागरुकता का आकलन कर समाज के सभी वर्गों की महिलाओं को सही जानकारी उपलब्ध कराकर इस गंभीर समस्या का निदान किया जा सकता है।

Abortion is a prohibited procedure in India, due to which women try other methods of abortion without proper medical consultation, which increases the risk to their life. In the country's capital Delhi, only 01 out of 10 cases of abortion are reported. At present, a majority of women resort to unsafe abortion due to their awareness or ignorance about their rights to abortion, which is a matter of serious concern and women become victims of untimely death due to unsafe abortion. This serious problem can be solved by providing correct information to women of all sections of the society by assessing education and awareness on contraception and abortion.

मुख्य शब्दः गर्भधारण, गर्भपात, निर्णायक क्षमता॥
Pregnancy, Abortion, Decision Making.

प्रस्तावना

भारत जैसे विकासशील देशों मेंगर्भपात सम्बधी परिस्थितियाँ अच्छी नहीं हैं। असुरक्षित गर्भपात के कारण प्रत्येक वर्ष महिलाओं की बडी संख्या में मृत्यु हो जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों के हालात शहरी क्षेत्र की अपेक्षा अधिक खराब हैं, क्योंकि यहाँ गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सुविधाओं तक लोगों की पहुँच न के बराबर है। 'इपांस' एक ऐसी संस्था है जो असुरक्षित गर्भपात से होने वाली मृत्यु की रोकथाम के लिए पूरी दुनिया भर में कार्यरत है। एक सभ्य संस्कृति व समाज के नाते हम गर्भपात के विषय पर खुलकर बातें नहीं करते। साथ ही गर्भपात संम्बधी कानून के विषय में भी जानकारी का अभाव है।

अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन के निम्नलिखित उद्वेश्य हैं-

1. महिला उत्तरदाताओं की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि ज्ञात करना।
2. महिलाओं में गर्भपात संम्बधी पद्धति का अध्ययन करना।
3. महिलाओं में गर्भपात सम्बधी निणर्य लेने के अधिकार का अध्ययन करना।

उत्तरदाताओं की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि ज्ञात करने हेतु निम्नलिखित चरों जैसे- आयु, जाति, वर्ग, शिक्षा, धर्म, परिवार व कार्यक्षेत्र आदि का चयन किया गया है। महिलाओं में गर्भपात सम्बधी प्रक्रियाओं में महिलाओं की जागरुकता व निर्णायक भूमिका का अध्ययन किया गया हैव विभिन्न चरों के सम्बंध के आधार पर उत्तरदाताओं की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि को विश्लेषित किया गया है।

समस्या का स्पष्टीकरण

गर्भ में ठहरे अनचाहे बच्चे को गिराने की प्रक्रिया को गर्भपात कहा जाता है इसे 'अबॉर्शन' 'डी. ए. सी.', MTP फैसला करना आदि कहा जाता है। भारत सरकार ने 1971 से महिलाओं को गर्भपात की अनुमति दी है। कानून ष्ड्ण्ज्ण्च् MTP के अनुसार कोई भी महिला 20 हफ्ते (05 महीने) तक के गर्भ की सफाई (कुछ गंभीर कारणों की वजह से) करवा सकती है। केन्द्र सरकार ने मेडिकल ऑफ प्रेगनेंसी अधिनियम 1971 में संशोधन कर गर्भपात के लिए गर्भावस्था की सीमा को 20 सप्ताह से बढाकर 24 सप्ताह कर दिया है परन्तु इसके लिए दो चिकित्सकों की राय लेना अनिवार्य होगा। दुनिया भर में हर वर्ष लगभग 22 लाख से भी

अधिक असुरक्षित गर्भपात यानी अबॉर्शन के मामले देखे जाते हैं। जो वैश्विक स्तर पर मात्र मृत्यु दर का एक सबसे बडा मुद्वा है। सुरक्षित गर्भपात के कई विकल्प मौजूद हैं, लेकिन अनुभवों की कमी, आर्थिक तंगी और शिक्षा के अभाव के कारण आज भी कई स्थानों पर महिलाओं के पास सुरक्षित गर्भपात का कोई विकल्प मौजूद नही हो पाता है। भारत में सामान्य तौर पर कम आय वाले स्थानों पर असुरिक्षत गर्भपात के मामले देखे जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, आने वाले वर्ष 2035 तक देश भर मे कुल स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों, दाइयों, नर्सों व चिकित्सकों की वैश्विक कमी 1 करोड 29 लाख तक हो जायेगी।

साहित्यावलोकन

गर्भपात सम्बधी कुछ चयनित अध्ययन इस प्रकार हैं-

हीरा के. सी.एवं अन्य (2021)ने अपने अध्ययन में नेपाल के पूर्वी जिले में पिछडे वर्गों में महिलाओं के गर्भपात व परिवार नियोजन के निर्णय के साथ महिला सशक्तिकरण के संबन्ध को नियोजित किया। नेपाल के मोरंग जिले में पिछडे हुए समुदायों में महिला सशक्तिकरण की पारिवारिक नियोजन व गर्भपात के निर्णय में कोई सीधी भूमिका नही है।

एन.एस. ओबो एवं अन्य (2019)के अनुसार असुरिक्षत गर्भपात एक प्रमुख वैश्विक जन स्वास्थ्य चिंता का विषय है व इसकी व्यापकता के उपरान्त भी असुरिक्षत गर्भपात सबसे अधिक उपेक्षित वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है इससे पता चलता है कि महिलाओं मंे गर्भपात सकारात्मक रुप से भागीदार निम्न शिक्षा स्तर, उच्च घरेलू संपत्ति व पारिवारिक आकार, बहुजातीय व ईसाई, धार्मिक पृष्ठभूमि के साथ सहसम्बंध है।

जे. वान, डिचजुजेन व अन्य(2019)का अध्ययन कॉहार्ट अध्ययन के दोनो मात्रात्मक आँकडों 'उच्च 'डच गर्भपात व मानसिक स्वास्थ्य अध्ययन' एवं कॉहार्ट अध्ययन के एक छोटे उप-नमूने के गुणात्मक आंकडो पर आधारित इस अध्धयन में सा. जनसांख्यिकी के संदर्भ में महिलाओं के सामने आने वाली उच्च स्तर की कठिनाइयों को विश्लेषित किया गया है, एच डी डी महिलाएँ जनसांख्यिकी पृष्ठभूमि की अवधि एक दूसरे से अलग नही थी, लेकिन उनके पास किसी भी मानसिक विकार का इतिहास नही था।

यू. आर. लोई, एम. लिन्डाटीन व एल्विन (2018) अवांछित गर्भधारण व असुरक्षित गर्भपात उन क्षेत्रों में प्रचलित है जहाँ महिलाओं व किशोरियों को गर्भनिरोधक की ज़रुरतें हैं। केन्या में उच्च अवांछित गर्भावस्था दर एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुडा मुद्वा है। केन्या में गर्भपात का निर्णय विचार के लिए एक बुनियादी कारक है। इस अध्धयन में पता चलता है कि प्रेरित का मुख्य कारण सामाजिक-आर्थिक तनाव व पुरुष साथी के सर्मथन का भाग्य था।

एम. ब्रेबर व अन्य (2018)ने अपना अध्ययन महिलाओं को तीन समूहों में वर्गीकृत करके किया है, जिन्हें अनपेक्षित या अवांछित गर्भधारण का सामना करना पडा है। ये समूह हैं-(क) जो गर्भपात का विकल्प चुनें। (ख) जिन महिलाओं को गर्भपात का विकल्प दिया गया हो। (ग) जिन महिलाओं ने गंभीरतापूर्वक विचार के पश्चात जन्म देने का फैसला लिया।

अध्ययन पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन के अर्न्तगत उत्तर प्रदेश राज्य के बागपत जिले के हिसावदा गाँव को चयनित किया गया है, जिसकी कुल जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 7086 है जिसमे 3737 पुरुष व 3349 महिलाएं हैं तथा लिंगानुपात 1000: 896 है जो उत्तर प्रदेश के औसत लिंगानुपात 912 से भी कम है। अध्ययन के अर्न्तगत यादृच्छिक उद्वेश्यपूर्ण निदर्शन प्रणाली का प्रयोग करते हुए शहरी क्षेत्र की कुल 100 महिला उत्तरदाताओं को चयनित किया गया है। अध्ययन के अर्न्तगत वैयक्तिक अध्ययन पद्धति व साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग करते हुए आंकडों को एकत्रित किया गया है। पारिवारिक जीवन के पक्षों में निर्णायक भूमिका व सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि कारकों के मध्य संम्बधों का विश्लेषण कुल 100 महिला उत्तरदाताओं से प्राप्त आँकडों के आधार पर किया गया है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध पत्र के अध्ययन के अर्न्तगत कुल 100 महिला उत्तरदाताओं से प्राप्त विश्लेषण निम्न हैं-

सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि के आधार पर निष्कर्ष

महिलाओं की सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि के अर्न्तगत अध्ययन में महिलाओं की सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि में कुल सात चरों जैसे-आयु, जाति, वर्ग, शिक्षा, धर्म,परिवार एवं कार्यक्षेत्र से लिया गया है।उपरोक्त वर्णित चरों पर आधारित निष्कर्ष इस प्रकार हैं-

P: ISSN No. 2231-0045 RNI No. UPBIL/2012/55438 VOL.-10, ISSUE-2 November -2021
E: ISSN No. 2349-9435 Periodic Research

सारणी-1
महिलाओं की सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि

	चर	समूह विभाजन	ग्रामीण क्षेत्र की महिला उत्तरदाताओ की सं
	आयु	20-25	32
		25-30	20
		30-35	18
		35-40	30
	जाति (सामाजिक स्तरीकरण के अनुसार)	उच्च	19
		मध्यम	58
		निम्न	23
	वर्ग (मासिक आय के आधार पर)	उच्च	23
		मध्यम	54
		निम्न	17
	शिक्षा	10-12जी	33
		स्नातक	36
		स्नातकोŸार	26
		तकनीकी शिक्षा	05
	धर्म	हिन्दू	82
		मुस्लिम	18
		अन्य	-
	परिवार	संयुक्त	74
		एकाकी	26
	कार्यक्षेत्र	कार्यशील	16
		गैर-कार्यशील	64

आयु के आधार पर प्राप्त आंकडो मे पाया गया कि कुल 100 महिला उत्तरदाताओं में से 20-25 आयु वर्ग की 32%, 25-30 आयु वर्ग की 20%, व 30-35 आयु वर्ग की 18% व 35-40 आयु वर्ग की कुल 40% महिलायें हैं।

जाति के आधार पर प्राप्त आंकडो मे पाया गया कि कुल100 महिला उत्तरदाताओं में से 19% उच्च जाति, 58%, मध्यम व 23%निम्न जाति से संम्बधित महिला उत्तरदाता हैं।

वर्ग के आधार पर प्राप्त आंकडो मे पाया गया कि कुल 100 महिला उत्तरदाताओं में से 29% उच्च, 54% मध्यम व 17% निम्न वर्ग से सम्बंधित महिला उत्तरदाता हैं।

शिक्षा के आधार पर प्राप्त आंकडो मे पाया गया कि 10-12 वी तक शिक्षा प्राप्त कुल 33%, स्नातक तक 36%, स्नातकोत्तर तक 26% तथा 5% तकनीकी शिक्षा प्राप्त महिला उत्तरदाता हैं।

धर्म के आधार पर प्राप्त आंकडो में पाया गया कि82% हिन्दू धर्म व 18% मुस्लिम धर्म से सम्बंधित महिला उत्तरदाता हैं।

परिवार के आधार पर प्राप्त आंकडो में पाया गया कि74% महिला उत्तरदाता संयुक्त परिवार तथा 26% एकाकी परिवार से सम्बंधित हैं।

व्यवसाय के आधार पर प्राप्त आंकडो के अनुसार, 16% महिला उत्तरदाता कार्यशील व 84% महिलाएं गैर-कार्यशील हैं।

सारणी-2
महिलाओं में गर्भपात संम्बधी विश्लेषण

क्र.सं.	चर आयु	समूह विभाजन 20-25	क्या आपने गर्भपात कराया है?	
			हाँ	नहीं
1.	जाति (सामाजिक स्तरीकरण के अनुसार)	25-30	3	29
		30-35	1	19
		35-40	2	16
		उच्च	4	26
2.	वर्ग (मासिक आय के आधार पर)	मध्यम	2	17
		निम्न	5	53
		उच्च	3	20

3.	शिक्षा	मध्यम	2	27
		निम्न	6	48
		10-12 वी	2	15
4.	धर्म	स्नातक	3	30
		स्नातकोत्तर	4	32
		तकनीकी शिक्षा	3	23
		हिन्दू	-	5
5.	परिवार	मुस्लिम	8	74
		अन्य	2	16
		संयुक्त	-	-
6.	कार्यक्षेत्र	एकाकी	7	67
		कार्यशील	3	23
7.	चर	गैर-कार्यशील	2	14
		समूह विभाजन	8	76

आयु के आधार पर प्राप्त आंकडो मे पाया गया कि कुल 100 महिला उत्तरदाताओं में से 20-25 आयु वर्ग की 3% महिला उत्तरदाता, 25-30 आयु वर्ग की 1%, 30-35आयु वर्ग की 2%, तथा 35-40 आयु वर्ग की 4%, महिला उत्तरदाताओं ने गर्भपात कराया है।

जाति के आधार पर प्राप्त आंकडो मे पाया गया है कि गर्भपात कराने वाली महिलाओं में उच्च जाति की 2%, मध्यम जाति की 5% व 3% निम्न जाति कि महिला उत्तरदाताहैं।

वर्ग के आधार पर प्राप्त आंकडो मे पाया गया कि कुल 100 महिला उत्तरदाताओं में से उच्च वर्ग की 2%, मध्यम वर्ग की 6%, व निम्न वर्ग से 2%सम्बधित महिला उत्तरदाता हैं।

शिक्षा के आधार पर प्राप्त आंकडो मे पाया गया है कि 10-12 वी तक शिक्षा प्राप्त 3%, स्नात्तक तक शिक्षा प्राप्त 4% व स्नातकोत्तर तक शिक्षित 3% महिला उत्तरदाताओं ने गर्भपात करायाहै।

धर्म के आधार पर प्राप्त आंकडो में पाया गया कि गर्भपात कराने वाली 8% महिला उत्तरदाता हिन्दू धर्म तथा 2% मुस्लिम धर्म से सम्बंधित महिला उत्तरदाता हैं।

परिवार के आधार पर, गर्भपात कराने वाली महिलाओं में 7% संयुक्तव 3% एकाकी परिवार से सम्बंधित हैं।

व्यवसाय के आधार पर, गर्भपात कराने वाली महिलाओं में 2% कार्यशील व 8% गैर-कार्यशील महिला उत्तरदाता हैं।

सारणी-3
महिलाओं में गर्भपात की संख्या सम्बंधी विश्लेषण

.सं.	चर आयु	समूह विभाजन 20-25	आपने कितनी बार गर्भपात कराया है?		
			एक बार	दो बार	दो से अधिक
	जाति (सामाजिक स्तरीकरण के अनुसार)	25-30	2	1	-
		30-35	1	-	-
		35-40	1	1	-
		उच्च	1	2	1
	वर्ग (मासिक आय के आधार पर)	मध्यम	1	1	-
		निम्न	2	3	-
		उच्च	2	-	1
	शिक्षा	मध्यम	1	1	-
		निम्न	3	2	1
		10-12 वी	1	1	-

	धर्म	स्नातक	2	-	1
		स्नातकोत्तर	2	2	-
		तकनीकी शिक्षा	1	2	-
		हिन्दू	-	-	-
	परिवार	मुस्लिम	4	3	1
		अन्य	1	1	-
		संयुक्त	-	-	-
	कार्यक्षेत्र	एकाकी	4	2	1
		कार्यशील	1	2	-
	चर	गैर-कार्यशील	1	1	-
		समूह विभाजन	4	3	1

आयु के आधार पर प्राप्त आंकडो मे पाया गया कि कुल 100 महिला उत्तरदाताओं में से 20-25 आयु वर्ग की महिलाओं में 2%महिलाओं ने एक बार तथा 1%महिलाओं ने दो बार गर्भपात कराया, 25-30 आयु वर्ग की महिलाओं में 1% महिलाओं ने एक बार गर्भपात कराया।30-35आयु वर्ग में, 1% महिलाओं ने एक बार तथा 1% महिलाओं ने दो बार गर्भपात कराया। 35-40आयु वर्ग में 1% महिलाओं ने एक बार तथा 2% महिलाओं ने दो बार गर्भपात कराया तथा 1%, महिलाओं ने दो से अधिक बार गर्भपात कराया।

जाति के आधार पर प्राप्त आंकडो मे पाया गया कि कुल 100 महिला उत्तरदाताओं में एक बार गर्भपात कराने वाली उच्च जाति की 1%, मध्यम जाति की 2% तथा निम्न जाति की 2% महिला हैं।दो बार गर्भपात कराने वाली महिलाओं में उच्च

जाति की 1%, मध्यम जाति की 3%महिलायें हैं। दो से अधिक बार गर्भपात कराने वाली 1%महिला निम्न जाति से संम्बधित हैं।

वर्ग के आधार परप्राप्त आंकडोके अनुसार उच्च वर्ग की महिलाओं में 1%ने दो बार गर्भपात कराया। मध्यम वर्ग की महिला उत्तरदाताओं में 3%ने एक बार, 2% द्वारा दो बार तथा 1% द्वारा दो से अधिक बार गर्भपात कराया। निम्न वर्ग में, 1%ने एक बार तथा 1% महिलाओं ने दो बार गर्भपात कराया।

शिक्षा के आधार परप्राप्त आंकडो के अनुसार 10-12 वी तक शिक्षित महिलाओं में 2% ने एक बार तथा 1% ने एक से अधिक बार गर्भपात कराया। स्नातक तक शिक्षा प्राप्त महिलाओं में 2% ने दो बार गर्भपात कराया। स्नातकोत्तर तक शिक्षित महिलाओं में 1% ने एक बार तथा 2% ने दो बार गर्भपात कराया।

धर्म के आधार परप्राप्त आंकडो में पाया गया कि हिन्दू धर्म की महिलाओं में 4% महिलाओं ने एक बार, 3% महिलाओं ने दो बार तथा 1% महिलाओं ने दो से अधिक बार गर्भपात कराया। मुस्लिम धर्म में 1%एक बार तथा 1%ने एक से अधिक बार गर्भपात कराया।

परिवार के आधार पर, संयुक्त परिवार की 4%महिलाओं ने एक बार तथा 2% ने दो बार तथा 1%ने दो से अधिक बार गर्भपात कराया। एकाकी परिवार में 1% महिलाओं ने एक बार तथा 2% महिलाओं ने दो बार गर्भपात कराया।

कार्यक्षेत्र के आधार पर, कार्यशील महिलाओं में, 1%ने एक बार तथा 1%ने दो बारगर्भपात कराया तथा गैर कार्यशील महिलाओं में 2% महिलाओं ने एक बार, 3%ने दो बार,1%ने दो से अधिक बार गर्भपात कराया।

सारणी-04
महिलाओं में गर्भपात कराने के कारण का विश्लेषण

क्र.सं.	चर आयु	समूह विभाजन 20-25	महिला उत्तरदाताओं में गर्भपात कराने का कारण?			
			बच्चों के मध्य अन्तराल	अनचाहा गर्भधारण	सामाजिक कारण	अन्य कारण
1.	जाति (सामाजिक स्तरीकरण के अनुसार)	25-30	1	2	-	-
		30-35	-	-	-	1
		35-40	1	1	-	-

		उच्च	-	2	2	-
2.	वर्ग (मासिक आय के आधार पर)	मध्यम	-	1	1	-
		निम्न	1	3	-	1
		उच्च	1	1	1	-
3.	शिक्षा	मध्यम	1	-	-	1
		निम्न	1	4	1	-
		10-12जी	-	1	1	-
4.	धर्म	स्नातक	1	-	2	-
		स्नातकोŸार	-	3	-	1
		तकनीकी शिक्षा	1	2	-	-
		हिन्दू	-	-	-	-
5.	परिवार	मुस्लिम	2	4	2	-
		अन्य	-	1	-	1
		संयुक्त	-	-	-	-
6.	कार्यक्षेत्र	एकाकी	1	4	2	-
		कार्यशील	1	1	-	1
7.	चर	गैर-कार्यशील	1	-	-	1
		समूह विभाजन	1	5	2	-

आयु के आधार पर प्राप्त आंकडो मे पाया गया है कि कुल 100 महिला उत्तरदाताओं में से 20-25 आयु वर्ग में 1% महिलाओं ने बच्चों के मध्य अन्तराल, तथा 2% महिलाओं ने अनचाहा गर्भधारण के कारण गर्भपात कराया। 25-30 आयु वर्ग की महिलाओं में 1% ने अन्य कारण से गर्भपात कराया।30-35 आयु वर्ग की 1% ने बच्चों के मध्य अन्तराल, 1% ने अनचाहे गर्भधारण के कारण गर्भपात कराया। 35-40आयु वर्ग की 2% महिलाओं ने अनचाहा गर्भधारण व 2%ने सामाजिक कारणों के कारण गर्भपात कराया।

जाति के आधार पर प्राप्त आंकडो में पाया गया कि उच्च जाति में गर्भपात का कारण 1% अनचाहा गर्भधारण व1% सामाजिक कारण था। मध्यम जाति में गर्भपात का कारण 1% बच्चों के अन्तराल, 3% अनचाहा गर्भधारण व 1%अन्य कारण था।

निम्न जाति में 1% बच्चों के मध्य अन्तराल, 1% ने अनचाहा गर्भधारण तथा 1% ने सामाजिक कारण था।

वर्ग के आधार पर,उच्च वर्ग की 1% महिलाओं ने बच्चों के मध्य अन्तराल व 1% ने अन्य कारण से गर्भपात कराया। मध्यम वर्ग की 1% महिलाओं ने बच्चों के मध्य अन्तराल, 4%ने अनचाहा गर्भधारण, 1%ने सामाजिक कारण से गर्भपात कराया। निम्न वर्ग की 1% महिलाओं ने अनचाहा गर्भधारण तथा 1%ने सामाजिक कारण से गर्भपात कराया।

शिक्षा के आधार पर प्राप्त आकडों में पाया गया कि 10-12 वी तक शिक्षा प्राप्त महिला उत्तरदाताओं में गर्भपात का कारण 1% महिलाओं में बच्चों के मध्य अन्तराल व 2% में सामाजिक था। स्नातक तक शिक्षित महिलाओं में 3% महिलाओं ने अनचाहा गर्भधारण तथा 1%ने अन्य कारण से गर्भपात कराया। स्नातकोत्तर तक शिक्षा प्राप्त महिलाओं में 1% बच्चों के मध्य अन्तराल व 2% अनचाहा गर्भधारण गर्भपात का कारण था।

धर्म के आधार पर प्राप्त आकडों में पाया गया कि हिन्दू धर्म की महिला उत्तरदाताओं में गर्भपात का कारण 2% में बच्चों के मध्य अन्तराल, 4% में अनचाहा गर्भधारण तथा 2% में सामाजिक कारण था। मुस्लिम धर्मकी महिला उत्तरदाताओं में 1% में अनचाहा गर्भधारण तथा1% में अन्य कारण था।

परिवारके आधार पर प्राप्त आंकडो में पाया गया कि संयुक्त परिवार में 1%गर्भपात का कारण 1% में बच्चों के मध्य अन्तराल, 1% में अनचाहा गर्भधारण तथा 1% में अन्य कारण था।

कार्यक्षेत्र के आधार परकार्यशील महिलाओं में गर्भपात का कारण 1%में बच्चों के मध्य अन्तराल तथा 1% में अन्य कारण था तथा गैरकार्यशील महिलाओं में 1% में बच्चों के मध्य अन्तराल तथा 5%में अनचाहा गर्भधारण, 2% में सामाजिक कारण था

सारणी-05
महिलाओं में गर्भपात पद्धति के प्रयोगसम्बंधी विश्लेष्ण

क्र.सं.	**चर आयु**	**समूह विभाजन 20-25**	महिला उत्तरदाताओ द्वारा गर्भपात हेतु किस प्र प्रयोग	
			परम्परागत पद्धति	आधुनिक पद्धति
1.	जाति (सामाजिक स्तरीकरण के अनुसार)	25-30	1	2
		30-35	-	1
		35-40	1	1
		उच्च	2	2
2.	वर्ग (मासिक आय के आधार पर)	मध्यम	1	1
		निम्न	2	3
		उच्च	1	2
3.	शिक्षा	मध्यम	-	2
		निम्न	2	4
		10-12 वीं	2	-
4.	धर्म	स्नातक	2	1
		स्नातकोत्तर	1	3
		तकनीकी शिक्षा	1	2
		हिन्दू	-	-
5.	परिवार	मुस्लिम	3	5
		अन्य	1	1
		संयुक्त	-	-
6.	कार्यक्षेत्र	एकाकी	3	4
		कार्यशील	1	2
7.	चर	गैर-कार्यशील	1	1
		समूह विभाजन	3	5

महिला उत्तरदाताओं ने परम्परागत पद्धति (पुरूष नसबंदी, महिला नसबंदी, काढा, निकासी आदि) तथा आधुनिक पद्धति (कंडोम, गोलियां, इन्जेक्शन, प्न्क्े, आदि) का प्रयोग किया।

आयु के आधार पर प्राप्त आंकडो मे पाया गया है कि कुल 100 महिला उत्तरदाताओं में से 20-25 आयु वर्ग में 1%महिलाओं ने गर्भपात हेतु परम्परागत व 2%महिलाओं ने आधुनिक पद्धति का प्रयोग किया। 25-30 आयु वर्ग में 1%ने आधुनिक पद्धति, 30-35 आयु वर्ग में 1%ने परम्परागत व 1% महिलाओं ने आधुनिक पद्धति तथा 35-40आयु वर्ग में 2% महिलाओं ने परम्परागत व 2%महिलाओं ने आधुनिक पद्धति का प्रयोग किया।

जाति के आधार परपाया गया किउच्च जाति की 1% महिला उत्तरदाताआ ने परम्परागत व 1%महिलाओं ने आधुनिक पद्धति, मध्यम जाति की 2%ने परम्परागत व 3% महिलाओं ने आधुनिक पद्धति तथा निम्न जाति की 1%महिलाओं ने परम्परागत व 2%महिलाओं ने आधुनिक पद्धति का प्रयोग गर्भपात हेतु किया।

वर्ग के आधार पर प्राप्त आंकडो में पाया गया किउच्च वर्ग की 2% महिलाओं ने आधुनिक, मध्यम वर्ग की 2% महिलाओं ने परम्परागत, 4% महिलाओं ने आधुनिक, निम्न वर्ग की 2% महिला उत्तरदाताओं ने परम्परागत पद्धति का प्रयोग गर्भपात हेतु किया।

शिक्षा के आधार पर प्राप्त आकडों में पाया गया कि 10-12 वी तक शिक्षा प्राप्त महिला उत्तरदाताओं में 2% महिलाओं ने परम्परागत व 1% ने आधुनिक पद्धति, स्नात्तक तक शिक्षित महिलाओं में1%महिलाओं ने परम्परागत व 3%ने आधुनिक पद्धति, स्नातकोत्तर तक शिक्षा प्राप्त महिलाओं में 1%ने परम्परागत व 2%ने आधुनिक पद्धति पद्धति का प्रयोग गर्भपात हेतु किया।

धर्म के आधार पर प्राप्त आकडों में पाया गया कि हिन्दू धर्म की 3% महिला उत्तरदाताओं ने परम्परागत व 5%ने आधुनिक पद्धति तथा मुस्लिम धर्म की 1%महिला उत्तरदाताओं ने परम्परागत व 1%ने आधुनिक पद्धति का प्रयोग गर्भपात हेतु किया।

परिवार के आधार पर प्राप्त आंकडो के अनुसारसंयुक्त परिवार की 3% महिला उत्तरदाताओं ने परम्परागत व 4% ने आधुनिक पद्धति तथा एकल परिवार की 1% महिला उत्तरदाताओं ने परम्परागत व 2% ने आधुनिक पद्धति का प्रयोग गर्भपात के लिए किया।

कार्यक्षेत्र के आधार परप्राप्त आंकडो के अनुसार 1% कार्यशील महिला उत्तरदाताओं ने परम्परागत व 4% ने आधुनिक पद्धति तथा गैर-कार्यशील महिलाओं में 3% ने परम्परागत पद्धति तथा 5%ने गर्भपात हेतु आधुनिक पद्धति का प्रयोग गर्भपात हेतु किया।

सारणी-06
महिलाओं में गर्भपात संम्बधी निर्णायक क्षमता का विश्लेष्ण

क्र.सं.	चर आयु	समूह विभाजन 20-25	गर्भपात सम्बंधी निर्णय किसके द्वारा लिया गया			
			स्वंय द्वारा	पति द्वारा	आपसी सहमति	अन्य द्वारा
1.	जाति (सामाजिक स्तरीकरण के अनुसार)	25-30	1	-	2	-
		30-35	-	-	1	-
		35-40	-	-	1	1
		उच्च	1	1	2	-
2.	वर्ग (मासिक आय के आधार पर)	मध्यम	1	-	1	-
		निम्न	1	1	3	-
		उच्च	-	-	2	1
3.	शिक्षा	मध्यम	1	-	-	1
		निम्न	1	-	5	-
		10-12वी	-	1	1	-
4.	धर्म	स्नातक	1	1	1	-
		स्नातकोत्तर	1	-	2	1
		तकनीकी शिक्षा	-	-	4	-
		हिन्दू	-	-	-	-
5.	परिवार	मुस्लिम	2	-	6	-
		अन्य	-	1	-	1
		संयुक्त	-	-	-	-
6.	कार्यक्षेत्र	एकाकी	1	1	4	1
		कार्यशील	1	-	2	-
7.	चर	गैर-कार्यशील	1	-	1	-
		समूह विभाजन	1	-	5	1

आयु के आधार पर प्राप्त आंकडो मे पाया गया है कि गर्भपात कराने वाली महिला उत्तरदाताओं में गर्भपात संम्बधी निर्णय 20-25 आयु वर्ग में 1%स्वयं व 2%ने आपसी सहमति द्वारा लिया। 25-30 आयु वर्ग में 1% ने आपसी सहमति,30-35 आयु वर्ग में 1% ने आपसी सहमति तथा 1% ने अन्य द्वारा व 35-40आयु वर्ग में 1% महिलाओं ने स्वयं, 1% महिलाओं ने पति द्वारा, 1% ने आपसी सहमति द्वारा गर्भपात संम्बधी निर्णय लिया।

जाति के आधार परप्राप्त आंकडों के आधार पर पाया गया कि उच्च जाति की महिला उत्तरदाताओं में से 1% महिला उत्तरदाताआ ने स्वयं व 1% महिलाओं ने आपसी सहमति द्वारा, मध्यम जाति की महिला उत्तरदाताओं में 1%ने स्वयं, 1% ने पति द्वारा तथा 3% महिलाओं ने आपसी सहमति द्वारा तथा निम्न जाति की महिला उत्तरदाताओं में 2%ने आपसी सहमति तथा 1%ने अन्य कारण द्वारा गर्भपात संम्बधी निर्णय लिया।

वर्ग के आधार पर प्राप्त आंकडो के अनुसार उच्च वर्ग की 2%महिलाओं ने स्वयं व 1%ने अन्य द्वारा, मध्यम वर्ग की 1% महिलाओं ने स्वयंतथा 5%ने आपसी सहमति तथा निम्न वर्ग की 1%महिला उत्तरदाताओं ने पति द्वारा तथा 1% ने आपसी सहमति द्वारा गर्भपात संम्बधी निर्णय लिया।

शिक्षा के आधार पर प्राप्त आकडों में पाया गया कि 10-12 वी तक शिक्षा प्राप्त महिला उत्तरदाताओं में 1% ने स्वयं, 1%ने पति द्वारा, 1% ने आपसी सहमति द्वारा, स्नात्तक तक शिक्षित महिलाओं में 1%ने स्वयं तथा 2% ने आपसी सहमति द्वारा, स्नातकोत्तर तक शिक्षा प्राप्त महिलाओं में 4% ने आपसी सहमति द्वारा गर्भपात संम्बधी निर्णय लिया गया।

धर्म के आधार पर प्राप्त आकडों में पाया गया कि हिन्दू धर्म की 2% महिला उत्तरदाताओं ने स्वयं, 6% ने आपसी सहमति द्वारा तथा मुस्लिम धर्म की 1% महिला उत्तरदाताओं के पति द्वारा तथा 1% अन्य के द्वारा गर्भपात संम्बधी निर्णय लिया गया।

परिवार के आधार पर प्राप्त आंकडो में पाया गया कि संयुक्त परिवार की 1% महिला उत्तरदाताओं ने 1% स्वयं, 1% ने पति द्वारा, 4% ने आपसी सहमति द्वारा तथा 1% ने अन्य द्वारा गर्भपात संम्बधी निर्णय लिया गया,एकाकी परिवार की 1% महिला उत्तरदाताओं ने स्वयं तथा 2% ने आपसी सहमति द्वारा गर्भपात संम्बधी निर्णय लिया गया।

कार्यक्षेत्र के आधार पर प्राप्त आंकडो में पाया गया कि कार्यशील महिलाओं में 1% महिला उत्तरदाताओं ने स्वयं तथा 1%ने आपसी सहमति द्वारा तथा गैर-कार्यशील महिलाओं में 4%ने स्वयं, 5% ने आपसी सहमति तथा 1%ने अन्य द्वारा गर्भपात संम्बधी निर्णय लिया गया।

निष्कर्ष

गर्भपात कराने वाली अधिकांश महिलाओं 35-40 आयु वर्ग (11%), मध्यम जाति (5%), मध्यम वर्ग (6%), स्नात्तक तक शिक्षा प्राप्त, हिन्दू धर्म, संयुक्त परिवार (7%), तथा गैर-कार्यशील (8%) महिला उत्तरदाता हैं।

एक से अधिक बार गर्भपातकराने वाली महिला उत्तरदाताओं में अधिकांश 20-25 आयु वर्ग, मध्यम जाति, मध्यम वर्ग, 10-12 जीवस्नात्तक तक शिक्षित, हिन्दू धर्म, संयुक्त परिवारतथा गैर-कार्यशील (4%)तक हैं।

अधिकांश महिलाओं में अनचाहा गर्भधारण गर्भपात का कारण है जिसमें सर्वाधिक 20-25 आयु वर्ग (2%), मध्यम जाति (3%), मध्यम वर्ग (4%), स्नात्तक (3%)

हिन्दू धर्म (4%), संयुक्त परिवार(4%), वगैर-कार्यशील (5%) महिला उत्तरदाता हैं।

गर्भपात कराने हेतु अधिकांश महिला उत्तरदाताओं ने आधुनिक पद्धति (6%), का प्रयोग किया जिसमें अधिकांश 20-25 आयु वर्ग, 35-40 आयु वर्ग (2%), मध्यम जाति (3%), मध्यम वर्ग (4%), स्नात्तक तक शिक्षित, हिन्दू धर्म (5%), संयुक्त परिवार(4%), वगैर-कार्यशील (5%) महिला उत्तरदाता हैं।

गर्भपात संम्बधी निर्णय स्वयं लेने में अधिकांश महिलायें 20-25 आयु वर्ग, 35-40आयु वर्ग,उच्च जाति, 10-12 वी तथा स्नात्तक तक शिक्षित, हिन्दू धर्म की महिला उत्तरदाता हैं।

अतः अध्ययन के निष्कर्षानुसार गर्भपात कराने वाली अधिकांश महिलाओं 30-35 आयु वर्ग की हैं परन्तु ग्रामीण महिला उत्तरदाताओं में गर्भपात सम्बंधी निणर्य लेने का स्तर निम्न है, तथा अधिकांश महिलाओं ने गर्भपात हेतु आधुनिक पद्धति को अपनाया है। जिससे ज्ञात होता है कि ग्रामीण महिलाओं में गर्भपात सम्बंधी जागरूकता में वृद्धि हुई है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *Brauer,M, J Van and Other 2018 : "Understanding Decision Making and Decision Difficulty in Women with an Unintended Pregnancy in the Netherlands", Dec 21, Qualitative Health Research, Sage Journals.*
2. *Ditzhuijzen, J Van and Other 2019 : "Dimensions of Dicision Diffuclty in Women's Deceision Making about Abortion : A Mixed methods Longitudinal Study", PLOS ONE 14(2): e 0212611.*
3. *K. C, Heera, M. Shreshtha and Other 2021 : "Women's Empowerment for Abortion and Family Planning Decesion Making among Marginalized Women in Nepal : A Mixed Method Study", Reproductivie Health 18, A.N.28.*
4. *Loi, U.R and Other 2019 : "Decision – Making Preceding Induced Abortion : A Qualitative Study of Women's Experience in Kisumu, Kenya," Reproductive Health, Article Number 166.*
5. *Owoo, N. S and Other 2019 : Abortion Experience and Self – Efficacy : Exploring Socio-economic Profiles of GHANAIAN Women," Reproductive Health, Article Number 117.*
6. *http://pinned.ncbi.nim.nih.gov,*
7. *reproductive-health-journal.biomedcentarl.com*